FIRE EMERGENCY

DO'S	DON'TS
Activate the Fire Alarm	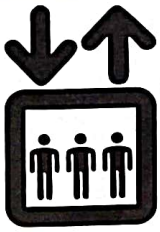 Don't use the elevator to evacuate from fire.
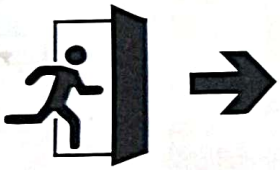 Immediately go to the Fire exit	Don't open hot doors during fire
Turn off electrical equipments	Do not hide in any furniture or room
Use the fire extinguisher if safe to do so	Do not return to get your belongings
Gather at an assembly point	Do not jump through a window

From First Responder
Director Civil Defence Department Rajasthan Jaipur

निदेशालय नागरिक सुरक्षा विभाग, राजस्थान जयपुर

आग लगने पर सुरक्षा निर्देश

	अगर कार्य स्थल में कही भी आग लग जाये तो, इस नंबर पर फोन लगाये: .....101..... ओर सही स्थल की जानकारी दे
	जब तक कोई प्रशिक्षित आग बुझाने वाला व्यक्ति नहीं आता है, तब तक अपने आस पास मौजूद अग्निशामक यंत्रो से आग बुझाने का प्रयास करे
	अपने सबसे नजदीक मौजूद फायर अलार्म या सायरन को बजाये
	आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का उपयोग न करे, केवल सीढ़ियों का ही प्रयोग करे
	सुरक्षित रास्तो का उपयोग करके, कार्य स्थल को छोड़ दे (खाली कर दे)
	आपातकालीन परिस्थिति स्थल पर अथवा किसी खुली व सुरक्षित जगह पर एकत्रित हो जाये
	जब तक सुरक्षित सूचना न मिले तब तक वापस ना जाये

आग लगने पर अथवा किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में डायल करे

सिक्यूरिटी:	फायर:	डॉक्टर:	जिला नियंत्रण
पुलिस:100	फायर स्टेशन : 101	एम्बुलेंस:102/108	1077

जो हर पल सर्तक रहेगा, वही अग्नि दुर्घटना से बचेगा।

क्या न करें

आग लगने पर लिफ्ट का उपयोग न करें। सीढ़ियों का इस्तेमाल करना बेहतर है।

आग लगने पर बिल्डिंग में प्रवेश द्वार पर रूकावट पैदा न करें। इससे अग्निशमन वाहन के आने में मुश्किल हो सकती है।

हीटर को ज्वलनशील वस्तुओं के तीन फुट के दायरे में न रखें।

हीटर को बिना किसी देखरेख अथवा रात को सोते समय चालू न रखें।

बिजली की तारों को दीवारों पर कील से न ठोकें अथवा इनका इंसुलेशन न छीलें।

एश ट्रे में जलती सिगरेट न छोड़ें।

आग लगने पर

डायल करें **101**

अथवा अपने
नजदीकी अग्निशमन केन्द्र से संपर्क करें

निदेशालय नागरिक सुरक्षा विभाग, राजस्थान जयपुर
दूरभाष नं. 0141-2280223, 2280507

आग

आग से सुरक्षा – आग से बचाव

आपके अग्नि रक्षक

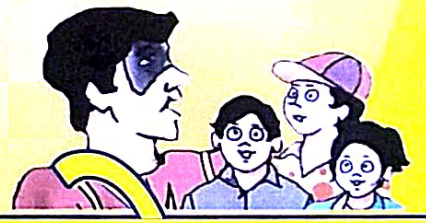

दोस्त

क्या करें

इस्तेमाल के बाद विद्युत उपकरणों को बंद कर दें और सॉकेट से प्लग निकाल लें। टूटे प्लग तथा स्विच तत्काल बदल दें।

हीटर को बंद करने के बाद इसका प्लग निकाल दें।

बिजली के तारों को गर्म तथा गीली सतह से दूर रखें।

आग से बचाव के लिए फ्यूज़ तथा स्विच मैटेलिक क्यूबिकल्स लगाएं।

घर से लम्बे समय तक बाहर रहने पर मेन स्विच को ऑफ कर दें।

अच्छी क्वालिटी एवं सही रेटिंग वाले फ्यूज़-मिनियेचर सर्किट ब्रेकर्स तथा अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर्स इस्तेमाल करें।

क्या करें

भारतीय मानक ब्यूरो (आईएसआई) द्वारा प्रमाणित उपकरणों का उपयोग करें।

स्कूल, मॉल, ऊँची इमारतों एवं सामुदायिक भवनों में अग्निशमन अभ्यास का नियमित रूप से आयोजन करें ताकि किसी प्रकार की आपातस्थिति के लिए रास्ते को खाली कराया जा सकें।

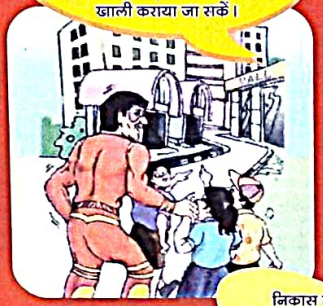

निकास द्वार के संकेतों को स्पष्ट रूप से दर्शाएं।

अग्निशमन अभ्यास में सम्बन्धित बिल्डिंग में रहने वाले कम से कम 10 प्रतिशत लोगों को प्रशिक्षित करें।

अधिक जानकारी तथा प्रशिक्षण के लिए नजदीकी अग्निशमन केन्द्र से सम्पर्क करें।

आग लगने पर अथवा किसी अन्य आपातस्थिति में बचाव मार्गों की योजना बनाएं।

क्या न करें

माचिस से खिलवाड़ न करें, इसके जलने से धमाका हो सकता है।

पटाखे लापरवाही से न जलाएं इससे जान भी जा सकती है। इन्हें घर के किसी बड़े व्यक्ति की देखरेख में जलाएं।

बिजली से आग लगने पर पानी का उपयोग न करें। उपयुक्त अग्निशामक का इस्तेमाल करें।

यदि गैस लीक हो रही हो तो बिजली के स्विच ऑन या ऑफ न करें। इससे स्पार्क होने से आग लग सकती है। गैस लीक होने की स्थिति में सभी दरवाजे तथा खिड़कियां खोल दें और धैर्यतापूर्वक सिलेंडर को घर से बाहर खुले स्थान पर ले जाएं।

बिजली के तारों को कारपेट, मैट अथवा डोरवे के नीचे न बिछाएं। पैरों के नीचे कुचलने से इनमें शॉर्ट सर्किट होने का खतरा हो जाता है।

बाहर निकलने के रास्तों तथा सीढ़ियों में सामान रखकर रुकावट पैदा न करें।

आपदा रोकें

आग लगने पर

क्या करें

- आग लगने पर अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने का प्रयास करें।
- इमारत में आग लगने पर लोगों को निकालने के लिए हमेशा सीढ़ियों का प्रयोग करें।
- इमारत में आग लगने पर तुरन्त बाहर खुले स्थान पर पहुँच जायें।
- अगर संभव हो तो नाक व मुँह को गीले कपड़े से ढक लें।
- अगर आप गहरे धुएँ में फँस जाएँ तो घुटनों के बल रेंग कर निकलें, चले नहीं।
- यदि आपके कपड़ों में आग लग जाये तो तुरन्त अपना मुँह ढक लें व जमीन पर लेट लगायें।
- यदि पैट्रोल, तेल अथवा बिजली से आग फैले तो आग बुझाने के लिए पानी की जगह रेत अथवा मिट्टी का प्रयोग करें।
- आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अपने घर में आसान पहुँच वाले स्थान पर रेत से भरी बाल्टी हमेशा तैयार रखें।

आग लगने पर
तुरंत किसी भी नजदीक के
टेलीफोन से
101 पर अग्निशमन सेवा को
सूचित करें ।

क्या न करें

- लिफ्ट का प्रयोग ना करें।
- आग लगने पर मकान की छत पर न जायें।
- गैस, स्टोव, बिजली के बटन व उपकरण काम में न लें।

परिवार के सभी सदस्यों
को आग से निपटने के लिए
प्रशिक्षण दें ।

निदेशालय नागरिक सुरक्षा विभाग, राजस्थान जयपुर
दूरभाष नं. 0141-2280223, 2280507

आपदा के समय आपतकालीन सम्पर्क दूरभाष : ईओसी जिला - 1077, ईओसी राज्य - 1070, एम्बुलेंस - 108, पुलिस - 100, फायर - 101